दिल्ली, उ0प्र0, हरियाणा, पंजाब, गुजरात एवं राजस्थान में प्रसारित।

गुरुकृपा दर्पण

राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

UTTHIN/2022/85670

डाक सं० UA/DO/DON/02/2024-2026

वर्ष : 04 | अंक : 18 | हरिद्वार | शनिवार, 10 मई, 2025 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 4

रिवर्स पलायन कर चुके लोगों को मिलेगा प्लेटफॉर्म, महिलाओं की भागीदारी से राज्य बनेगा श्रेष्ठ : मुख्यमंत्री

जतिन शर्मा

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को सचिवालय में पलायन निवारण आयोग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि राज्य में रिवर्स पलायन कर चुके लोगों के अनुभवों को साझा करने के लिए एक उपयुक्त प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराया जाएगा। इसका उद्देश्य है कि अन्य लोग भी इन सफलताओं से प्रेरित होकर स्वरोजगार की दिशा में कदम बढ़ाएं। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि ऐसे लोगों के सुझावों को विभिन्न योजनाओं में सम्मिलित किया जाएगा, जिससे योजनाएं अधिक प्रभावी बन सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी आने वाले समय में उत्तराखंड को देश के श्रेष्ठ राज्यों में

स्थान दिलाएगी। यह भागीदारी नारी शक्ति के जुनून, हौसले और हुनर का सम्मान होगा। मुख्यमंत्री धामी ने सचिव ग्राम्य विकास राधिका झा को निर्देशित किया कि वे रिवर्स पलायन कर चुके लोगों की सफलता की कहानियों को साझा करने के लिए प्लेटफॉर्म विकसित करने की दिशा में कार्य करें और उन्हें योजना निर्माण में शामिल करें। उन्होंने ग्रामीणों के स्थाई आजीविका हेतु कौशल विकास पर बल देते हुए स्थानीय लोगों को अपने क्षेत्र में रोजगार की संभावनाओं की पहचान कर स्वरोजगार की दिशा में प्रेरित करने की आवश्यकता बताई। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को पेशेवर दक्षता प्रदान किया जाए, जिससे उनके उत्पादों की ब्रांडिंग और मार्केटिंग बेहतर हो सके और उन्हें उचित मूल्य प्राप्त हो। पलायन निवारण आयोग के उपाध्यक्ष डॉ. एस.एस. नेगी ने बैठक में आयोग द्वारा किए गए कार्यों की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि अब तक लगभग 2,000 लोगों ने राज्य में रिवर्स पलायन करते हुए कृषि, पशुपालन, पर्यटन, होम स्टे, बागवानी और अन्य क्षेत्रों से जुड़कर स्वरोजगार अपनाया है और अच्छा लाभ कमा रहे हैं। बैठक में अन्य सदस्यों द्वारा भी महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए गए। मुख्यमंत्री ने योजनाओं के सरलीकरण के लिए भी निर्देश दिए और कहा कि आयोग को प्रभावी बनाने के लिए नियोजन, शिक्षा, पर्यटन, कौशल विकास जैसे विभागों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए। इस अवसर पर अवस्थापना अनुश्रवण परिषद के उपाध्यक्ष विश्वास डाबर, पलायन निवारण आयोग के उपाध्यक्ष डॉ. एस.एस. नेगी, सदस्य रामप्रकाश पैन्यूली, सुरेश सुयाल, दिनेश रावत, अपर आयुक्त ग्राम्य विकास राजेन्द्र सिंह रावत समेत अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

मसूरी में कार खाई में गिरी चार लोग घायल

देहरादून। मसूरी-धनोल्टी मार्ग पर शुक्रवार दोपहर एक कार के खाई में गिरने से चार लोग घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को सिविल अस्पताल में भर्ती कराया है। मसूरी कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक संतोष सिंह कुंवर ने बताया कि दोपहर 12:30 बजे सूचना मिली की मसूरी-धनोल्टी मार्ग पर एक कार गुरु राम राय स्कूल के पास खाई में गिर गया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने देखा कार सड़क से करीब 150 मीटर नीचे गिरी थी। पुलिस ने घायलों को खाई से से ऊपर निकाला और 108 आपातकालीन सेवा के माध्यम से अस्पताल पहुंचाया। उन्होंने बताया कि वाहन लाल टिब्बा से भट्टा फॉल की तरफ जा रहा था।

गुरुकृपा दर्पण (राष्ट्रीय समाचार पत्र) को आवश्यकता है उत्तराखण्ड एवं उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों के लिए ब्यूरो चीफ, कैमरा मैंन, संवादाताओं की। सम्पर्क करें – 9410731129, 9548880101

मंत्री रेखा आर्या ने की एकल महिला स्वरोजगार योजना, आंगनबाड़ी कार्यकत्री एवं सहायिकाओं की नियुक्ति, महिला कल्याण कोष, नन्दा गौरा योजना आदि की समीक्षा

देहरादून। प्रदेश की महिला कल्याण एवं बाल विकास मंत्री रेखा आर्या ने एकल महिला स्वरोजगार योजना, आंगनबाड़ी कार्यकत्री एवं सहायिकाओं की नियुक्ति, महिला कल्याण कोष, नन्दा गौरा योजना आदि की समीक्षा सम्बन्धित अधिकारियों विधान सभा स्थित सभागार कक्ष में की तथा सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। मंत्री ने कहा कि एकल महिला स्वरोजगार योजना जो पूर्व में कैबिनेट में लायी गयी थी जिसके सम्बन्ध में कैबिनेट में मेरे द्वारा ही कुछ बिन्दुओं पर संशोधन के लिए विषय रखा गया था। जिसे पुन: कैबिनेट में फिर से प्रस्ताव बनाकर प्रस्तुत करने के लिए कहा गया था तथा जिसकी तैयारी पूरी कर ली गयी है और यह योजना आगामी कैबिनेट में पुन: प्रस्तुत कर दी जायेगी। निश्चित रुप से एकल महिलाएं जल्द ही इस योजना का लाभ उठा पायेंगी । आंगनबाड़ी कार्यकत्री एवं सहायिकाओं की नियुक्ति के सम्बन्ध में मंत्री ने कहा कि प्रदेश के लगभग 12 जनपदों में आंगनबाड़ी कार्यकत्री एवं सहायिकाओं की नियुक्ति के परिणाम घोषित हो चुके हैं। मेरे द्वारा सम्बन्धित

अधिकारियों को निर्देश दिये गये हैं कि 1 हफ्ते का समय आपत्तियों के लिए देते हुए 3 से 4 दिनों के भीतर आपत्तियों का निस्तारण कर दिया जाय तथा इसके उपरान्त फाइनलिस्ट को नियुक्ति पत्र वितरित कर दिये जायें। नियुक्ति पत्र वितरण हेतु आगामी 20से 22 मई के मध्य तिथि निर्धारित की गई है। मंत्री ने कहा कि ''महिला कल्याण कोष'' जिसके लिए आबकारी विभाग से रुपये 1 प्रति बोतल अतिरिक्त शुल्क के रुप में प्राप्त हो रहा है। इस महिला कल्याण कोष की नियमावली काफी समय से वित्त विभाग में थी तथा वित्त विभाग द्वारा कुछ आपत्तियां लगायी गयी थी। उन आपत्तियों का शीघ्र निस्तारण करते हुए आगामी कैबिनेट में महिला कल्याण कोष नियमावली को प्रस्तुत करने के निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिये गये हैं। मंत्री ने कहा कि निश्चित रुप से महिला कल्याण कोष भी धरातल पर उतरेगा। इस कोष से ऐसी महिलाएं लाभ ले सकेंगी जिनको सुरक्षा, स्वरोजगार, आपदा के समय संरक्षण की आवश्यकता होती है। वहीं दुर्घटना के कारण अनाथ हुए बच्चों व वृद्ध महिलाओं के संरक्षण को ध्यान में रखकर भी नियमावली में प्राविधान किये जा रहे हैं। मंत्री ने कहा कि एक गेम चेंजर योजना (मुख्यमंत्री जच्चा-बच्चा शुभजीवन प्रोत्साहन) जो प्रदेश के मुख्यमंत्री के सामने रखी गयी थी जिसमें गर्भवती महिलाओं के 1 हजार सुनहरे दिन को लेकर कार्ययोजना तैयार की जा रही है। इस योजना में गर्भवती महिला व नवजात शिशु के पोषण व स्वास्थ्य सुरक्षा व अन्य जरुरतों को लेकर प्राविधान किये जा रहे हैं। इस गेम चेंजर योजना के स्वरुप को शीघ्र तैयार करने के निर्देश अधिकारियों को दिये गये हैं। मंत्री ने कहा कि नन्दा गौरा योजना के अन्तर्गत आने वाले समय में 12 वीं पास होने के साथ ही ग्रेजुएशन पास होने पर भी उचित धनराशि देने का प्रस्ताव तैयार किया जाय ताकि बालिकाएं ग्रेजुएशन करने के लिए प्रेरित हो सकें। बैठक में सचिव महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास, चन्द्रेश यादव, अपर सचिव/निदेशक महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास, प्रशान्त आर्य, व राज्य नोडल अधिकारी केन्द्र पोषित योजना आरती बलोदी तथा विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

आपरेशन सिंदूर का लक्ष्य

सम्पादक – देवेन्द्र जौहरी

ऑपरेशन सिंदूर का उद्देश्य स्पष्ट था, उन स्थानों को ध्वस्त करना, जहां से भारत में आतंक का बीज बोया जाता है। पहलगाम हमला, जिसमें हमारे निर्दोष पर्यटकों को निशाना बनाया गया, उसकी साजिश कहीं और नहीं, पाकिस्तान की फौज, आईएसआई और लश्कर-ए-तैयबा जैसों की सांठगांठ से ही तैयार की गई थी। भारत ने न केवल इस साजिश को समझा बल्कि उसे जड़ से उखाड़ने की भी ठान ली है। इस ऑपरेशन में भारतीय वायुसेना ने जिस साहस, रणनीति और सटीकता का परिचय दिया, वह दुनिया के किसी भी शीर्ष सैन्य बल को चुनौती देने के लिए पर्याप्त है। पाकिस्तान हमेशा से ही दोहरी भूमिका निभाता रहा है, एक ओर वह अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर शांति और वार्ता की बात करता है तो दूसरी ओर अपने क्षेत्र को आतंकियों के प्रशिक्षण केंद्र के रूप में प्रयोग करता है। भारत ने अब उस नकाब को पूरी तरह नोच फेंका है। ऑपरेशन सिंदूर ने बता दिया कि भारत अब उन भाषणों या प्रस्तावों से संतुष्ट नहीं होगा, जो संयुक्त राष्ट्र में दिए जाते हैं बल्कि उन बंकरों को नेस्तनाबूद करेगा, जहां से ये षड्यंत्र जन्म लेते हैं। भारत द्वारा यह कार्रवाई अचानक नहीं की गई बल्कि पहले खुफिया एजेंसियों के माध्यम से आतंकियों की गतिविधियों की पूरी जानकारी जुटाई गई।

मां की मौत की खबर सुनते ही बेटे की हादसे में मौत

हरिद्वार । हरिद्वार के पथरी क्षेत्र से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक ही दिन में मां और बेटे की मौत से पूरा परिवार उजड़ गया। यह हादसा न सिर्फ उस परिवार के लिए, बल्कि पूरे गांव के लिए एक गहरे सदमे की तरह है। गुर्जर बस्ती निवासी दिलशाद पेशे से एक टूरिस्ट वाहन चालक था, जो इन दिनों केदारनाथ यात्रा पर श्रद्धालुओं को लेकर गया हुआ था। दिलशाद की 70वर्षीय मां वहीदा बीते कुछ समय से बीमार चल रही थीं और गुरुवार को उनका देहांत हो गया। मां की मौत की खबर सुनते ही दिलशाद ने यात्रियों को उनके पड़ाव पर उतारकर तुरंत घर लौटने का फैसला किया। लेकिन शायद किस्मत को कुछ और ही मंजूर था।घर लौटते समय फाटा-गुप्तकाशी मार्ग पर दिलशाद का टेंपो ट्रैवलर अचानक अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरा। इस भयावह सड़क हादसे में दिलशाद की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की खबर जब गांव में पहुंची, तो परिवार समेत पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। परिवार के सदस्यों ने बताया कि मां वहीदा को सुपुर्द-ए-खाक नहीं किया गया था क्योंकि उन्हें उम्मीद थी कि बेटा दिलशाद अंतिम दर्शन के लिए पहुंच जाएगा। लेकिन जब बेटे का शव ही घर आया, तो पूरे गांव में मातम पसर गया। अब मां और बेटे दोनों का एक साथ अंतिम संस्कार किया जाएगा। दिलशाद अपने पीछे चार छोटे बच्चों को छोड़ गया है-तीन बेटियां मुस्कान, तानिया, सानिया और एक बेटा फरहान। पत्नी और बच्चों की जिम्मेदारी अब पूरी तरह से परिवार पर आ गई है। दिलशाद ही पूरे परिवार की आजीविका का एकमात्र सहारा था। स्थानीय लोगों ने बताया कि दिलशाद मेहनती और मिलनसार व्यक्ति था। वह वर्षों से श्रद्धालुओं को चारधाम यात्रा पर ले जाता रहा है। उसकी असमय मौत ने हर किसी को झकझोर कर रख दिया है। गांव में शोक व्यक्त करने वालों का तांता लगा हुआ है और आसपास के क्षेत्रों से भी लोग परिवार को सांत्वना देने पहुंच रहे हैं।

चंद्राचार्य चौक पर दो गुटों में झगड़ा, हमलावर की चली गोली खुद के ही पैर में लगी, मचा हड़कंप

हरिद्वार- शुक्रवार रात करीब 10बजे शहर के सबसे व्यस्त चौराहों में से एक चंद्राचार्य चौक पर उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब दो युवकों के बीच झगड़े के दौरान गोली चल गई। यह घटना इतनी तेजी से घटी कि वहां मौजूद राहगीरों और दुकानदारों में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई।जानकारी के मुताबिक, दो युवक एक अन्य युवक को पकड़कर पीटने लगे। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि हमलावरों के पास हथियार थे। इसी दौरान अचानक एक युवक के हाथ से गोली चल गई जो सीधे उसी के पैर में जा लगी। गोली लगते ही युवक वहीं गिर पड़ा। सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि जो युवक दूसरों पर हमला करने आया था, गोली उसी के पैर में लग गई। गोली लगते ही वह घायल हो गया और मौके पर गिर पड़ा। इस दौरान आसपास मौजूद स्थानीय दुकानदारों और राहगीरों ने साहस दिखाते हुए घायल युवक को पकड़ लिया और तुरंत पुलिस को सूचित किया। घटना की सूचना मिलते ही ज्वालापुर कोतवाली की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घायल युवक को जिला अस्पताल भिजवाया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। पुलिस ने घटनास्थल को सुरक्षित करते हुए आसपास लगे ष्टष्टञ्जङ्क कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है ताकि फरार युवक की पहचान की जा सके। घटना की सूचना मिलते ही ज्वालापुर कोतवाली की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घायल युवक को जिला अस्पताल भिजवाया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। पुलिस ने घटनास्थल को सुरक्षित करते हुए आसपास लगे ष्टष्टञ्जङ्क कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है ताकि फरार युवक की पहचान की जा सके। चंद्राचार्य चौक हरिद्वार का एक अत्यंत व्यस्त इलाका है। शुक्रवार रात को बाजार और ट्रैफिक सामान्य रूप से चल रहा था, लेकिन गोली की आवाज सुनते ही लोग इधर-उधर भागने लगे। कुछ दुकानें तुरंत बंद हो गईं और ट्रैफिक भी कुछ देर के लिए रुक गया। पुलिस ने बताया कि घायल युवक का दूसरा साथी मौके से भाग निकला। उसकी तलाश जारी है और पुलिस ष्टष्टञ्जङ्क फुटेज की मदद से उसकी पहचान कर रही है। साथ ही घटना से जुड़े अन्य तथ्यों की भी जांच की जा रही है।

पौड़ी में ग्रीष्मोत्सव की तैयारियां शुरू

पौड़ी। नगर पालिका प्रशासन की ओर से मुख्यालय पौड़ी में भव्य ग्रीष्मोत्सव का आयोजन किया जाएगा। जिसके सफल आयोजन को लेकर पालिकाध्यक्ष पौड़ी हिमानी नेगी की अध्यक्षता में पहली बैठक आयोजित हुई। पालिकाध्यक्ष नेगी ने बताया कि ग्रीष्मोत्सव का आयोजन 31 मई से 6 जून तक किया जाएगा। जिसमें सांस्कृतिक आयोजनों के साथ-साथ विभिन्न खेलप्रतियोगिताएं होंगी। खासतौर पर 31 मई से 8 जून तक कंडोलिया खेल मैदान में फुटबाल का रोमांच देखने को मिलेगा। नगर पालिका सभागार में ग्रीष्मोत्सव-2025 के आयोजन को लेकर पहली बैठक आयोजित की गई। जिसमें नगर पालिका प्रशासन के साथ-साथ संस्कृति कर्मियों, खेल समितियों, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया। इस दौरान ग्रीष्मोत्सव के आयोजन को लेकर सुझाव भी लिए गए। पालिकाध्यक्ष पौड़ी हिमानी नेगी ने बताया कि ग्रीष्मोत्सव पौड़ी की सांस्कृतिक विरासत का अहम हिस्सा है। वर्ष 223 में भव्य ग्रीष्मोत्सव आयोजित हुआ था। जो विगत वर्ष किन्ही कारणों से आयोजित नहीं हो पाया। उन्होंने बताया कि पालिका प्रशासन ने ग्रीष्मोत्सव के आयोजन को लेकर तैयारियां शुरू कर ली हैं। पहली बैठक में आयोजन की तिथियों का निर्धारण हुआ है। गतिविधियों के संचालन को लेकर जल्द ही आयोजित होने वाली बैठक में अंतिम रूप दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि आगामी 31 मई से 6 जून तक ग्रीष्मोत्सव को भव्य रुप में आयोजित किया जाएगा। जिसके सफल आयोजन को लेकर जल्द ही समितियों को गठन किया जाएगा। पालिकाध्यक्ष नेगी ने बताया कि 31 मई से कंडोलिया खेल मैदान में फुटबाल प्रतियोगिता आयोजित होगी। जिसका फाइनल 8 जून को खेला जाएगा। इसके अलावा वॉलीबाल, शतरंज, कैरम सहित अनेक खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। प्रसिद्ध लोक गायक अनिल बिष्ट व लोक गायक मनोज रावत अंजुल ने बताया कि ग्रीष्मोत्सव के आयोजन को लेकर संस्कृति कर्मियों में सालभर से उत्साह बना रहता है।

विधायक निधि से भवानी बालिका इंटर कॉलेज में छत का निर्माण

देहरादून। भवानी बालिका इंटर कॉलेज में शुक्रवार को कैंट विधायक सविता कपूर ने अपनी विधायक निधि से करवाए गए छत निर्माण कार्य को छात्राओं को समर्पित किया। इस अवसर पर हुए एक सादे समारोह में उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर सुविधाएं देना उनकी प्राथमिकता है और बालिकाओं के लिए सुरक्षित एवं सुविधाजनक शैक्षिक वातावरण सुनिश्चित करना उनका कर्तव्य है। उन्होंने विद्यालय प्रशासन को इस कार्य के लिए बधाई दी। भविष्य में भी हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। प्रधानाचार्या अनीता जोशी ने विधायक का धन्यवाद देते हुए कहा कि छत निर्माण से विद्यालय की बालिकाओं को बड़ी राहत मिलेगी।

देवेन्द्र जौहरी
सहसम्पादक
जतिन शर्मा
सहसम्पादक
विक्रान्त शर्मा
कानूनी सलाहकार
जसमहिन्द्र सिंह एडवोकेट

ग्रीष्मकाल में हर घर तक न्यून अवधि में निर्बाध, शुद्ध पेयजल आपूर्ति, जिला प्रशासन की प्राथमिकता : डीएम

देहरादून। मुख्यमंत्री के जनसेवा संकल्प के तहत पेयजल आपूर्ति से जुड़ी शिकायतों के त्वरित समाधान को लेकर जिला प्रशासन प्रतिबद्ध है और हर नागरिक तक स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल आपूर्ति के लिए तत्परता से जुटा है। जिलाधिकारी सविन बंसल के निर्देशों पर पेयजल समस्याओं के त्वरित समाधान को लेकर जिले स्तर पर समिति गठन के साथ सक्रियता से कंट्रोल रूम संचालित है, जो नियमित रूप से पेयजल शिकायतों की निरीक्षा और उनका त्वरित समाधान कर रही है। जिलाधिकारी के निर्देशों पर पानी की समस्या, लीकेज, गंदा पानी आने की शिकायतों पर प्रभावी समन्वय एवं समाधान के लिए जल संस्थान और पेयजल निगम के एक-एक सक्षम अधिकारी की भी कट्रोल रूम में तैनाती की गई है, ताकि किसी भी क्षेत्र से पेयजल से जुड़ी शिकायत मिलने पर जल्द से जल्द उसका समाधान किया जा सके। पेयजल समस्या को लेकर कंट्रोल रूम के टोल फ्री नंबर, समाचार पत्र एवं अन्य माध्यमों से अब तक 36 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें से 34 शिकायतों का जिला प्रशासन की टीम

द्वारा निस्तारण किया जा चुका है। जिले में प्रथम बार जिला प्रशासन के फरमान पर पेयजल सप्लाई संबंधी `7 विभागों के अधिकारी 2०मई से जिला कंट्रोल रूम में तैनात है, जो पेयजल आपूर्ति संबंधी हर समस्या का डे-टू-डे त्वरित समाधान करने में जुटे है। फोन, व्हाट्सएप, मीडिया रिपोर्ट पर आपदा प्रभारी एडीएम और एसडीएम कुमकुम जोशी संबंधित विभागों के जेई एंड एई से डेली मॉर्निंग इवनिंग ब्रीफिंग कर रहे है। जिला कंट्रोल रूम को अब तक 36 शिकायतों में से 34 निस्तारित हो चुकी है। जिला प्रशासन के निर्देश पर पाइप से नहीं तो टैंकर से, टैंकर से नहीं तो खच्चर से शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। जिला स्तर पर गठित समिति हर शिकायत की निरीक्षा कर रही है। जिले में स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल आपूर्ति से जन मन को राहत मिल रही है। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि पेयजल शिकायतों का त्वरित गति के साथ निस्तारण जारी रखें और ग्रीष्म काल में हर घर तक न्यून अवधि में निर्बाध, शुद्ध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। समाचार पत्र में `6 मई को मोहनपुर नलकूप की मोटर फुकने से कैंट क्षेत्र के 112 घरों में पेयजल आपूर्ति बाधित होने की खबर का त्वरित संज्ञान लिया गया और उसी दिवस पर सायं को नलकूप की खराब मोटर को ठीक कराके पेयजल आपूर्ति को सुचारू की गई। कृष्णापुरम में पेयजल आपूर्ति की समस्या को लेकर यूयूएसडीए के परियोजना निदेशक ने बताया कि दौड़वाला क्षेत्र में पेयजल लाइन की मरम्मत का काम पूरा कर लिया गया है। कृष्णापुरम कॉलोनी में लो प्रेशर होने के कारण पानी नही पहुंच रहा है। यूयूएसडीए द्वारा क्षेत्र में टैंकर के माध्यम पेयजल आपूर्ति की जा रही है। वही`5 मई को पंत रोड क्षेत्र में चार दिवस से पानी न आने की खबर के संदर्भ में अधिशासी अभियंता ने बताया कि गेल गैस लि०द्वारा सुभाष नगर क्षेत्र में गैस पाइप लाइन बिछाने के दौरान पेयजल लाइन क्षतिग्रस्त हुई थी। जिसकी मरम्मत कार्य किया जा रहा है। क्षेत्र में टैंकर के माध्यम से नियमित जलापूर्ति की जा रही है। जीएमएस रोड पर पेयजल लाइन क्षतिग्रस्त होने से समस्या का त्वरित संज्ञान लेने पर जल संस्थान के अधिशासी अभियंता ने बताया कि यूपीसीएल एडीबी द्वारा विद्युत केबल बिछाने के दौरान पेयजल लाइन क्षतिग्रस्त हुई थी। जिसको ठीक कर लिया गया है और क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति सुचारू कर दी गई है। एमडीडीए कॉलोनी में लो-प्रेशर की समस्या पर बताया कि आईएसबीटी के समीप टर्नर रोड स्थित नलकूप पर अधिष्ठापित वाल्व का स्पेन्डल क्षतिग्रस्त हो गया था, जिसकी मरम्मत करके पेयजल आपूर्ति सुचारू करा दी गई है। जिलाधिकारी के निर्देशों पर पेयजल संकट वाले क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति की नियमित निगरानी भी की जा रही है। सभी ट्यूबवेल व नलकूपों पर निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। जल संस्थान एवं जल निगम के सभी डिविजनों में समस्याओं के निस्तारण के लिए टोल फ्री नंबर भी प्रचारित किए गए है। इसके अलावा कंट्रोल रूम के टोल फ्री नंबर`135-272666 व 177 पर भी शिकायत दर्ज की जा सकती है। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रशासन की टीम पेयजल आपूर्ति से जुड़ी शिकायतों के त्वरित समाधान और जलापूर्ति व्यवस्था में सुधार के लिए काम कर रही है और जो भी शिकायतें मिल रही है उनका यथाशीघ्र समाधान कराया जा रहा है।

शिवनगर बस्ती में गहराया पेयजल संकट, टैंकर से करनी पड़ रही आपूर्ति

विकासनगर। नगर पंचायत की शिवनगर बस्ती में पेयजल संकट और अधिक गहरा गया है। जल संस्थान की ओर से पेयजल आपूर्ति बहाल करने के लिए कोई कार्यवाही नहीं करने पर वार्ड सभासद टैंकर से लोगों को पीने का पानी मुहैया करा रहे हैं। नगर पंचायत सेलाकुई की शिवनगर बस्ती में पेयजल लाइनें तो बिछी हैं, लेकिन उनमें पानी नहीं आ रहा है। पीने के पानी की व्यवस्था करने के लिए सौ परिवारों को दो से तीन किमी की दौड़ लगानी पड़ रही है। स्थानीय निवासी राजकुमार, देवेंद्र रावत, पप्पू, पंकज, विजय कुमार, पवन सिंह ने बताया कि पानी की किल्लत को देखते हुए यहां जल जीवन मिशन के तहत नई पेयजल योजना के तहत नई लाइन बिछाई गई थी, लेकिन करोड़ों की लागत से बिछी नई पेयजल लाइनों में पानी नहीं आ रहा है। गर्मी शुरू होते ही पेयजल सप्लाई ठप हो जाती है। सौ परिवारों को पीने के पानी के लिए शिवमंदिर में लगे सबमर्सिबल पर निर्भर रहना पड़ता है। लगातार प्रेशर बढ़ने के कारण सबमर्सिबल की मोटर कई बार फुंक जाती है, जिससे उन्हें पानी के लिए दो से तीन किमी दूर जाना पड़ता है। उनका कहना है कि एक सप्ताह से जल संस्थान अधिकारियों को पेयजल आपूर्ति सुचारु करने के लिए कहा जा रहा है, लेकिन अधिकारी उनकी समस्या की ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। अब वार्ड सभासद ने टैंकर के माध्यम से पानी की आपूर्ति शुरू की है, लेकिन भीषण गर्मी में टैंकर से भी पर्याप्त पानी नहीं मिलता है। कहा कि जल्द पेयजल आपूर्ति बहाल नहीं होने पर जल संस्थान कार्यालय में धरना प्रदर्शन कर शुरू किया जाएगा।

नलों से आया सीवर युक्त पानी

हरिद्वार। कनखल की रविदास बस्ती में शुक्रवार सुबह नलों से सीवर युक्त गंदा पानी आने से स्थानीय लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। पीने के पानी में बदबू और गंदगी आने के कारण लोगों में आक्रोश भी देखा गया। लोगों ने आरोप लगाया कि यह समस्या नई नहीं है बल्कि वर्षों से वो इस समस्या से जूझ रहे हैं। गंदे पानी की वजह से गंभीर बीमारियां फैलने का डर बना रहता है। उनके द्वारा कई बार अधिकारियों को शिकायतें दी गईं लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

अल्मोड़ा एसएसपी ने क्राइम मीटिंग में नशे और साइबर ठगी के खिलाफ सख्ती के दिए निर्देश

अल्मोड़ा। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र पींचा ने शुक्रवार को पुलिस लाइन अल्मोड़ा स्थित सभागार में जनपद के अधीनस्थ पुलिस अधिकारियों के साथ क्राइम मीटिंग आयोजित की। बैठक में कानून व्यवस्था को और मजबूत बनाने, साइबर ठगी, नशा, यातायात और सोशल मीडिया से जुड़े मामलों पर गहन समीक्षा की गई और कई अहम निर्देश जारी किए गए। एसएसपी ने सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया कि वे अपराधों के त्वरित निस्तारण, लम्बित विवेचनाओं की समीक्षा और अभियुक्तों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करें। नशे के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाने को कहा गया है। साइबर अपराधों पर तत्परता से कार्रवाई और साइबर सेल से समन्वय बनाकर अभियुक्तों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की बात कही गई। यातायात व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त करने, ओवरलोडिंग, रैश ड्राइविंग और शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश भी दिए गए। मानसून और आग लगने की संभावनाओं को देखते हुए फायर स्टेशन, थाना और एसडीआरएफ को

सतर्क रहने और राहत उपकरणों को कार्यशील रखने को कहा गया। सैनिक सम्मेलन के दौरान अधीनस्थ अधिकारियों और कर्मचारियों की व्यक्तिगत, सामूहिक और विभागीय समस्याओं को सुना गया और उनके निस्तारण के निर्देश दिए गए। वरिष्ठ नागरिकों व पुलिस पेंशनरों से संवाद और उनकी समस्याओं के समाधान पर भी जोर दिया गया। बैठक में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर प्रसारित अफवाहों, फेक न्यूज और भ्रामक सूचनाओं पर सतर्क निगरानी रखने और सत्य जानकारी साझा करने के निर्देश भी दिए गए। साथ ही जनता के साथ शालीन व्यवहार बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया। इस अवसर पर सल्ट थाना के कांस्टेबल विपिन कुमार को अप्रैल माह में अवैध गांजा तस्करी के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई के लिए एम्प्लॉयी ऑफ द मंथ% घोषित कर सम्मानित किया गया। उनके साथ-साथ विभिन्न थानों से कुल 17 पुलिसकर्मियों को उत्कृष्ट कार्यों के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान कर प्रोत्साहित किया गया। बैठक में सीओ अल्मोड़ा गोपाल दत्त जोशी, सीओ रानीखेत विमल प्रसाद, जिला होमगार्ड कमाण्डेंट नितिन काकेरवाल, एलआईयू, यातायात, महिला थाना, साइबर सेल, अग्निशमन, एसडीआरएफ, इंटरसेप्टर और विभिन्न थानों के प्रभारी अधिकारी मौजूद रहे।

ऑपरेशन सिंदूर केवल एक सैन्य अभियान नहीं, बल्कि भारत की अस्मिता, संप्रभुता और आत्मसम्मान का प्रतीक: प्रेमचंद

जतिन शर्मा

ऋषिकेश। त्रिवेणी घाट की सांध्यकालीन गंगा आरती भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तान के आतंकी अड्डों पर की गई निर्णायक सैन्य कार्रवाई 'ऑपरेशन सिंदूर' को समर्पित की गयी। यह भारतीय सेना के ऐतिहासिक कदम का सम्मान है यह आरती भारत के संकल्प, शक्ति और तेज का स्तवन है। डॉ अग्रवाल ने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' केवल एक सैन्य अभियान नहीं, बल्कि भारत की अस्मिता, संप्रभुता और आत्मसम्मान का प्रतीक है। यह एक संदेश है उन शक्तियों के लिए और जब-जब हमारे धैर्य की परीक्षा ली जाएगी, भारत उसी वेग से उत्तर देगा। मण्डल अध्यक्ष मनोज ध्यानी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर, भारतीय सेना का साहसिक प्रतिशोध है। पहलगाम में भारतीयों पर हमला, भारत की आत्मा पर हमला था। भारत माता के हृदय पर हमला था। पाक ने जो नापाक हरकत की उस पाप का बदला हमारे सैनिकों ने लिया, हमें उन पर गर्व है और यह हमला तो एक शुरूआत है। ये बदला, बदलाव लायेगा और भारत की इस नई सोच का असर होगा। इस अवसर पर मेयर शंभु पासवान, जो भारत की शांति को उसकी कमजोरी समझने की भूल करते हैं। डॉ अग्रवाल ने कहा कि यह केवल सीमापार एक जवाब नहीं है, यह भारत की आत्मा की पुकार थी, कि हम शांति चाहते हैं, परंतु आत्मसमर्पण नहीं। हम संवाद चाहते हैं, परंतु आतंक नहीं अरुण बडोनी, देवदत्त शर्मा, पार्षद राजेश कुमार, अविनाश भारद्वाज, नितिन सकसेना, जितेंद्र पाल, सौरभ गर्ग, दीपक बिष्ट, मोहित कुमार, विनायक कुमार, लविस पाल, मयंक शर्मा, आयुष कुमार, प्रदीप कोहली, सुजीत यादव, हर्ष पाल आदि उपस्थित रहे।

नेशनल पिट्ठू चैंपियनशिप में उत्तराखंड ने जीता रजत पदक

देहरादून। नेशनल सीनियर और सब जूनियर पिट्ठू चैंपियनशिप में उत्तराखंड ने सब जूनियर बालक वर्ग में दूसरा स्थान हासिल करते हुए रजत पदक जीता है। इंदौर मध्य प्रदेश में चल रही प्रतियोगिता में शुक्रवार को फाइनल मुकाबले खेले गए। सब जूनियर बालक वर्ग में उत्तराखंड का मुकाबला गुजरात से हुआ। इसमें गुजरात ने उत्तराखंड को 84-54 के अंतर से हराकर चैंपियन बनने का गौरव प्राप्त किया। उत्तराखंड की टीम उपविजेता रही। उत्तराखंड पिट्ठू एसोसिएशन के सचिव अश्वनी भट्ट ने बताया कि उत्तराखंड की टीमों ने पहली बार नेशनल चैंपियनशिप में प्रतिभाग करते हुए उपलब्धि हासिल की है। खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन किया। वहीं, सीनियर बालक वर्ग में उत्तराखंड की टीम सेमीफाइनल में भारतीय जनजातीय संगठन की टीम से 48-39 हार गई। मनिंदर लडोला कोच और सतीश भंडारी मैनेजर की भूमिका में रहे।

आंगनबाड़ी और सहायिका पदों पर इसी माह जारी किए जाएंगे नियुक्त पत्र

देहरादून। प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में सात हजार से ज्यादा आंगनबाड़ी और सहायिकाओं को 20मई से नियुक्ति पत्र मिलने जा रहे हैं। विभाग ने ज्यादातर पदों के लिए अनअंतिम सूची जारी कर दी है। शुक्रवार को आयोजित समीक्षा बैठक में कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने जल्द से जल्द अंतिम सूची जारी करने के निर्देश दिए हैं। शुक्रवार को विधानसभा भवन स्थित सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में विभागीय मंत्री रेखा आर्या ने आंगनबाड़ी नियुक्ति प्रक्रिया की समीक्षा की। रेखा आर्या ने बताया कि हरिद्वार के अलावा 12 जनपदों की अनअंतिम चयन सूची जारी की जा चुकी है और हरिद्वार की अनअंतिम चयन सूची इस सप्ताह जारी हो जाएगी। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि सूची पर जल्द से जल्द आपत्तियां मंगाई जाएं और उनका निस्तारण तय समय सीमा में किया जाए। मंत्री रेखा आर्या ने मुख्यमंत्री जच्चा-बच्चा शुभ जीवन योजना की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत प्रदेश की महिलाओं के गर्भ धारण करने के बाद से अगले एक हजार दिन तक उनकी स्वास्थ्य देखभाल, पोषण और संतान उत्पत्ति के बाद बच्चों के लालन पालन में सहायता सुनिश्चित की जाए। मंत्री ने इस योजना को अंतिम रूप देकर जल्द से जल्द कैबिनेट से पारित कराने के निर्देश दिए हैं। बैठक में मुख्यमंत्री एकल महिला स्वरोजगार योजना में जरूरी संशोधन कर उसे भी कैबिनेट से जल्द पारित कराने के निर्देश दिए गए।

कृषि मंत्री गणेश जोशी ने की राजस्थान के कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा से शिष्टाचार भेंट

देहरादून। प्रदेश के कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने अपने जयपुर प्रवास के दौरान शुक्रवार को कृषि पंत भवन में राजस्थान के कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा से शिष्टाचार भेंट की। राजस्थान के कृषि मंत्री ने महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा निर्मित उत्पाद सुबे के कृषि मंत्री गणेश जोशी को भेंट किए और उत्तराखण्ड के कृषि मंत्री ने उन्हें रेशम काकून से बनी शाल एवं पहाड़ी टोपी भेंट की। दोनों प्रदेशों के कृषि मंत्रियों के बीच यह मुलाकात सकारात्मक माहौल में हुई, जिसमें विशेष रूप से एग्रो प्रोसेसिंग यूनिट् की स्थापना, ऑर्गेनिक खेती के विस्तार, गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन, भौगोलिक संकेतक टैग, जैतून उत्पादन को प्रोत्साहन तथा मिलेट्स (श्री अन्न) के क्षेत्र में नवाचार जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा के साथ ही कृषि क्षेत्र के अनुभवों को साझा करने के साथ-साथ आपसी सहयोग की संभावनाओं पर भी चर्चा हुई। बैठक में राजस्थान और उत्तराखण्ड में विविधिकरण और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की संभावनाओं पर भी चर्चा की गई। दोनों राज्यों में जो भी फसल, फल व सब्जियां आदि जलवायु उपयुक्त हैं, उन्हें बढ़ाने पर जोर दिया गया। कृषि मंत्री गणेश जोशी ने बताया कि उत्तराखंड में नेचुरल फार्मिंग, औषधीय पौधे और सुगन्धित फूल, शहद और ड्रेगन फ्रूट आदि की अच्छी पैदावार होती है, जिनमें से जलवायु अनुकूल पौधों की किस्मों को राजस्थान में भी लगाया जा सकता है। उन्होंने राजस्थान से एक प्रतिनिधि मण्ड़ल को उत्तराखण्ड़ और उत्तराखण्ड़ से एक प्रतिनिधि मण्ड़ल को राजस्थान में भेजने का भी प्रस्ताव रखा। प्रतिनिधि मण्ड़ल एक-दूसरे राज्य की योजनाओं व उत्पादित की जा रही फसलों व फलों का अध्ययन कर अपने-अपने राज्य में जनकल्याणकारी योजनाओं को अपनाकर किसान हित में कार्य कर सकेंगे। कृषि मंत्री जोशी ने बताया कि मिलेट्स को बढ़ावा देने के लिए मिलेट्स बीज पर राज्य सरकार द्वारा सब्सिड़ी दी जा रही है। मशरूम उत्पादन राज्य में पूरे सालभर किया जाता है। बुरांश फ्लावर का बहुतायत मात्रा में उत्पादन किया जाता है। बुरांश के फूलों से बना शर्बत हृदय रोगियों के लिए अत्यन्त लाभाकारी माना जाता है। उन्होंने बताया कि उत्तराखण्ड़ में 'हाउस ऑफ हिमालयास' अमरेला ब्रांड बनाया गया है, जो कृषि उत्पादों की ब्राण्डिंग का काम करती है, जिससे वहां के कृषकों को उनके उत्पादों का उचित मूल्य मिल सके। इस दौरान कृषि मंत्री गणेश जोशी ने राजस्थान के कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा उत्तराखंड की चारधाम यात्रा का विशेष आमंत्रण भी दिया। बैठक में राजस्थान सरकार में कृषि आयुक्त चिन्मयी गोपाल, उद्यान आयुक्त सुरेश ओला, मो. जुनैद, एमडी सीड निमिषा गुप्ता सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

दून पहुंची बाबा श्रीविश्वनाथ-मां जगदीशिला डोली यात्रा का भव्य स्वागत

देहरादून। बाबा श्री विश्वनाथ-मां जगदिशिला की 26 वीं 30दिवसीय डोली यात्रा शुक्रवार को अपने प्रवास के तीसरे दिन देहरादून पहुंची। नगर निगम में हुए समारोह में डोली यात्रा पुष्प वर्षा के साथ भव्य स्वागत किया गया। मेयर सौरभ थपलियाल, संस्कृत शिक्षा सचिव दीपक गैरोला, नगर आयुक्त नमामि बंसल आदि ने पुष्पवर्षा और आर्शीवाद लेकर डोली यात्रा का स्वागत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए मेयर सौरभ थपलियाल ने कहा कि डोली यात्रा इस वजह से खास है कि यह अगले तीस दिनों तक गढ़वाल के साथ ही कुमाऊं मंडल के प्रवास पर रहेगी। यह गढ़-कुमौं की साझा संस्कृति, धार्मिक विरासत को नया विस्तार देने का अभिनव प्रयास है। उन्होंने कहा कि इस तरह की यात्राएं समाज में बेहद जरुरी है। साथ ही उन्होंने यात्रा आयोजन समिति संयोजक पूर्व कैबिनेट मंत्री मंत्री प्रसाद नैथानी के अनुरोध पर समिति को दून में भवन के लिए जमीन देने का आश्वासन भी दिया। संस्कृत शिक्षा सचिव दीपक गैरोला ने कहा कि राज्य सरकार संस्कृत भाषा के उन्नयन के लिए निरंतर कार्य कर रही है। नगर आयुक्त नमामि बंसल ने बाबा विश्वनाथ-जगदीशिला डोली में अपनी आस्था प्रकट की। पूर्व विधायक राजकुमार, कांग्रेस नेता लालचंद शर्मा, अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग के पूर्व अध्यक्ष अशोक वर्मा ने डोली में कंधा लगाकर निगम परिसर में स्वागत किया। डॉ.शैलेन्द्र मैठाणी की हिमालय आरती का भी विमोचन किया गया। शनिवार को डोली दून से मसूरी जाएगी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक
देवेन्द्र जौहरी द्वारा
साप्ताहिक समाचार पत्र
''गुरुकृपा दर्पण'' को
रूद्र प्रिंटिग प्रेस, ई-34,
ओल्ड इड्रस्ट्रियल एरिया, हरिद्वार
(उत्तराखण्ड) से मुद्रित एवं
एस-3, अशोक विहार कालोनी,
कनखल, हरिद्वार (उत्तराखण्ड)
से प्रकाशित।
सम्पादक: **देवेन्द्र जौहरी**
मो. – **9997331129**
E-mail :
gurukripadarpan@gmail.com